

अपछित गद्यांश

सौहन और रमेश कक्षा के अन्य मित्रों के साथ गोपाल के जन्मदिन पर उसके घर गए। सबको अचानक घर आया देख गोपाल और उसके परिवार वाले हैरान हो गए। सभी ने गोपाल को जन्मदिन की बधाई दी। सौहन ने गोपाल से केक कटवाया। रमेश ने उसे नई वर्दी और हलवा दिया। सबने उसे उपहार दिए और बहुत सुबख दी। गोपाल के माता-पिता उसके दोस्तों का इतना प्यार देख, कहे बिना ना रह सके -

“दोस्त हो तो ऐसे”

(क) गद्यांश को पढ़कर उत्तर लिखो -

प्र०१) गोपाल के जन्मदिन पर उसके घर कौन-कौन आया?

प्र०२) “दोस्त हो तो ऐसे”, गोपाल के माता-पिता ने ऐसा क्यों कहा?

प्र०३) सबको अचानक आया देख, गोपाल के घर क्या हुआ?

(ख) गद्यांश में से नीचे लिखे शब्दों का विलीन ढूँढो-

- पराज - _____
- कम - _____
- दुश्मन - _____
- पुरानी - _____

(ग) नाम शब्दों की जगह आर शब्दों पर गोला लगाओ -

सोतीलाल टोपियाँ बेचने शहर जाता था। एक दिन वह थककर पैड़ के नीचे सो गया। पैड़ पर बहुत से बंदर थे। उन्होंने सोतीलाल को टोपियाँ पहन ली। जब सोतीलाल जागा, तब उसकी टोपियाँ वहाँ नहीं थी। उसे एक तरकीब सूझी। उसने अपनी टोपी उतारकर फेंक दी। बंदरों ने भी अपनी टोपियाँ फेंक दी।

(घ) मिलान करो-

- | | |
|------------|----------------------|
| • मैं | अपना काम कर लिया है। |
| • तुम्हारा | कहाँ जा रहे हैं? |
| • उन्होंने | पाठशाला जा रहा है। |
| • आप | खेलना पसंद है। |
| • तुम | घर कहाँ है? |
| • उसे | क्या कर रहे हो? |